हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 105 | हल्द्वानी (नैनीताल) बुधवार 25 फरवरी 2026 | मूल्य रू 2 | पृष्ठ : 8

सुशीला तिवारी अस्पताल और राजकीय मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल

हल्द्वानी (संवाददाता)। शहर में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब राजकीय मेडिकल कॉलेज की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ। कुमाऊं के सबसे बड़े चिकित्सा संस्थान सुशीला तिवारी अस्पताल और राजकीय मेडिकल कॉलेज को निशाना बनाकर भेजे गए इस ईमेल ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गोविंद सिंह तितियाल ने बताया कि जैसे ही धमकी भरे ई-मेल की जानकारी मिली, तत्काल इसकी सूचना वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल और सिटी मजिस्ट्रेट हल्द्वानी को दे दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए कॉलेज प्रशासन ने एहतियातन सभी शैक्षणिक गतिविधियां तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दीं। एमबीबीएस से लेकर एमडी और एमएस तक की कक्षाएं बंद कर दी गई और छात्रों को सुरक्षित घर भेज दिया गया।सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन, डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ता (ठक्कै) की टीमें मौके पर पहुंचीं। सबसे पहले सुशीला तिवारी अस्पताल परिसर की गहन तलाशी ली गई, इसके बाद मेडिकल कॉलेज परिसर में भी सघन जांच अभियान शुरू किया गया। छात्रावास, प्रयोगशालाएं, लाइब्रेरी और मुख्य भवन सहित सभी संवेदनशील स्थानों की बारीकी से जांच की जा रही है।कॉलेज प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि छात्र-छात्राओं और स्टाफ की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। जब तक सुरक्षा एजेंसियां परिसर को पूरी तरह सुरक्षित घोषित नहीं कर देतीं, तब तक नियमित कक्षाएं संचालित नहीं होंगी। विद्यार्थियों को अनावश्यक रूप से परिसर में न आने और सतर्क रहने की सलाह दी गई है।पुलिस की साइबर सेल टीम ई-मेल के आईपी एड्रेस को ट्रैक करने में जुटी है। प्रारंभिक जांच में इसे शरारत या सनसनी फैलाने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है, हालांकि प्रशासन किसी भी प्रकार का जोखिम लेने के मूड में नहीं है।गौरतलब है कि 19 फरवरी को नैनीताल हाईकोर्ट सहित देहरादून, नैनीताल, चंपावत, रुद्रप्रयाग और अल्मोड़ा की जिला अदालतों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। लगातार मिल रही इन धमकियों के बाद प्रदेशभर में सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही अलर्ट मोड पर हैं।स्थिति पर प्रशासन की पैनी नजर बनी हुई है और जांच पूरी होने के बाद ही आगे की शैक्षणिक गतिविधियों पर निर्णय लिया जाएगा।

पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों के कार्य बहिष्कार से ठेकेदार परेशान, समाधान की मांग

अल्मोड़ा(संवाददाता)। लोक निर्माण विभाग के मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों के कार्य बहिष्कार से जिले के ठेकेदारों की परेशानी बढ़ गई है। ठेकेदारों ने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप कर जल्द समाधान निकालने की मांग की है। हिल्स कॉन्ट्रैक्टर वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि पारस्परिक स्थानांतरण नीति लागू होने के बावजूद विभाग के मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों का स्थानांतरण नहीं किया जा रहा है। इसी के विरोध में उत्तराखंड मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन पिछले 16 दिनों से कार्य बहिष्कार पर है, जिससे विभागीय कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गए हैं। एसोसिएशन के अनुसार कार्य बहिष्कार के कारण ठेकेदारों के भुगतान लंबित हैं और निर्माण कार्य बाधित हो रहे हैं। विभागीय कार्यालयों में कामकाज ठप होने से फाइलें अटकी हुई हैं और ठेकेदारों को आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल ने किया द लोस्ट वर्ल्ड नाटक का मंचन

रामनगर (संवाददाता)। शान्तिकुंज कल्याण समिति, लखनपुर के द्वारा शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल के सहयोग से पर्यावरण पर आधारित चर्चित नाटक द लोस्ट वर्ल्ड (जेम स्वेज वतसक) का मंचन पर्वतीय सभा के प्रांगण में किया गया। नाटक का प्रारंभ प्रभात ध्यानी, बीएस डंगवाल, स्कूल प्रबंधक डीएस रावत एवं समिति के अध्यक्ष रोहित बिष्ट ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यक्रम का संचालन पर्वतीय सभा के उपाध्यक्ष हेम चन्द्र पाण्डे ने किया। डीएस नेगी ने नाटक की वर्तमान समय मे उपयोगिता के संदर्भ में प्रकाश डाला। नाटक के डायरेक्टर संजय रिखाड़ी के निर्देशन में स्कूल के बच्चों ने शानदार अभिनय किया। नाटक की समाप्ति पर दर्शकों ने नाटक के पात्रों एवं सहयोगी स्टाफ से पर्यावरण पर संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में समिति के सचिव धर्मपाल डंगवाल एवं सदस्य चंद्रशेखर पंत, प्रदीप पाण्डे, रमेश बिष्ट, पूरन पाण्डे, नवीन तिवारी, आनन्द पाण्डे, अनूप बिष्ट, शंकर पाण्डे, नवेन्दु जोशी, संतोष पपनै आदि उपस्थित रहे।

खनन कारोबारी ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली

हल्द्वानी (संवाददाता)। /सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां खनन कारोबारी ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इससे परिवारजनों में कोहराम मच गया। जबकि इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।घटना चोरगलिया थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, कमलेश बेलवाल यहां गजेपुर गांव में अपनी मां, पत्नी और बेटी के साथ रहते थे। सोमवार देर रात घर में किसी बात को लेकर पारिवारिक विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ समय से परिवार में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। विवाद के कुछ देर बाद अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी।आवाज सुनकर परिजन तुरंत कमरे की ओर दौड़े, जहां कमलेश बेलवाल खून से लथपथ हालत में पड़े मिले। उनके पास उनकी लाइसेंसी पिस्टल भी पड़ी थी। परिजन उन्हें आनन-फानन में हल्द्वानी के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी। घटनास्थल से लाइसेंसी पिस्टल बरामद कर ली गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, ताकि मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सके।एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ की जा रही है।पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है, लेकिन अंतिम निष्कर्ष पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल, पूरे क्षेत्र में इस घटना को लेकर शोक और स्तब्धता का माहौल है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

यूट्यूब से कमाई का बुलबुला फूट रहा

भारत में तीन दशक पहले डिजिटल क्रांति आई तो भारत कंप्यूटर और इंटरनेट का दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना। वैसे ही डेढ़ दशक पहले सोशल मीडिया की क्रांति हुई तो भारत उसका भी सबसे बड़ा बाजार बना। भारत में अभी फेसबुक, यूट्यूब, गूगल आदि के सबसे ज्यादा उपयोगकर्ता हैं। इसी तरह दो साल पहले जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की क्रांति हुई उसका भी सबसे बड़ा बाजार भारत बन गया है। भारत में ओपन एआई का इस्तेमाल करने वाले सबसे ज्यादा लोग हैं। जिस तरह से भारत आईटी क्रांति और सोशल मीडिया क्रांति का बाजार बना है उसी तरह एआई क्रांति का भी बाजार बना है। लेकिन अब इस बाजार के डायनेमिक्स बदल रहे है।अमेरिका की एआई कंपनियों ने मार्केटिंग की दिशा में अगला कदम बढ़ा दिया है। खबर है कि अब उनके एआई प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल मुफ्त नहीं होगा। पहले चरण में इसमें विज्ञापन इंट्रोड्यूस किए जा रहे हैं। एआई का कोई भी प्लेटफॉर्म खोलने पर विज्ञापन चलेगा। अगर किसी को विज्ञापन मुक्त सेवा लेनी है तो उसे सब्सक्रिप्शन लेना होगा। मार्केटिंग का यह तरीका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स द्वारा पहले से आजमाया जाने लगा है। प्रीमियम सर्विस के लिए पैसे देने होते हैं और मुफ्त सर्विस में विज्ञापन चलते हैं। इस विज्ञापन से अरबों डॉलर की कमाई होती है और वह पूरा पैसे अमेरिका जाता है। सोचें, विज्ञापन भारत के उत्पादों का होता है और उनके खरीदार भी भारत के लोग होते हैं। लेकिन उसका विज्ञापन करने वाला प्लेटफॉर्म विदेशी है। पहले विज्ञापन का प्लेटफॉर्म अखबार, पत्रिकाओं और टेलीविजन चौनलों का होता था। बाद में इसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म्स शामिल हुए। ध ीरे धीरे उन्होंने बाजार पर कब्जा करना शुरू किया। सरकारों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर विज्ञापन के नए नियम बनाए। आज विज्ञापन का सबसे ज्यादा हिस्सा डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को जाता है। उसमें गूगल, यूट्यूब, फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम आदि की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी है।ऐसा नहीं है कि इसका लाभ सिर्फ अमेरिकी कंपनियों ने उठाया। उन्होंने भारत के सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स को कमाई का माध्यम भी उपलब्ध कराया। भारत में रील बनाना और डिजिटल कंटेंट बना कर कमाई करना एक वैकल्पिक रोजगार बना। ऐसा रोजगार, जिसमें सरकारों की कोई भूमिका नहीं थी लेकिन पिछले ही साल बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्होंने डाटा इतना सस्ता कर दिया कि लाखों लोग डिजिटल कंटेंट बना कर कमाई कर रहे हैं। उन्होंने रीलबाजी को एक रोजगार बताया। इतना ही नहीं इस साल जब मोदी की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट पेश किया तो उसमें 15 हजार कंटेंट क्रिएशन लैब्स बनाने का प्रावधान किया । सोचें, दुनिया के सभ्य और विकसित देश इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी बनाने के लिए साइंस और टेक्नोलॉजी के लैब्स बना रहे हैं वही भारत में कंटेंट क्रिएशन के लैब बनने है!

परंतु इस रोजगार की राह भी अब मुश्किल हो गई है। तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने दर्शकों और पाठकों तक रीच घटाई है। साथ ही मोनेटाइजेशन को कम किया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर तो पहले भी कम पैसे मिलते थे लेकिन यूट्यूब वीडियोज से लोगों को अच्छी खासी कमाई होती थी। पहले तो इनकी पैरेंट कंपनी मेटा ने वीडियो की लंबाई और गुणवत्ता के आधार पर भुगतान के नए नियम बनाए। इसमें छोटे यानी शॉर्ट वीडियोज और रील्स के लिए भुगतान काफी कम कर दिया। लंबे वीडियो पर अगर दर्शक ज्यादा देर टिकता था तो उसमें ज्यादा भुगतान के नियम बने। इस तरह 30 सेकेंड, तीन मिनट या उससे ज्यादा, 10 मिनट या उससे ज्यादा और 30 मिनट या उससे ज्यादा की अवधि वाले वीडियो की श्रेणियां बनाई गई। पहले ये कंपनियां अनापशनाप पैसे देती थीं। लेकिन बाद में 10 मिनट का वीडियो अगर 10 हजार लोग देखते हैं तो एक डॉलर का भुगतान होने लगा। अब इसे और कम कर दिया गया है। एक बहुत ही चर्चित और वस्तुनिष्ठ खबरें दिखाने वाले सोशल मीडिया जर्नलिस्ट का कहना है कि उनके लंबे वीडियो पर पांच लाख व्यूज के बावजूद तीन हजार रुपए मिल रहे हैं। जाहिर है अब यह स्वरोजगार भी संकट में है। ऐसा नहीं है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स व अमेरिकी कंपनियों की कमाई में कमी हुई है। उनका विज्ञापन का राजस्व बढ़ रहा है लेकिन अब वे इस राजस्व को शेयर करने के लिए तैयार नहीं हैं। तभी उन्होंने इन्फ्लूएंसर्स का पेआउट कम करना शुरू किया है। इस तरह यूट्यूब से कमाई का बुलबुला फूट रहा है। ऐप आधारित कैब सर्विसेज हों या ऐप आधारित फूड डिलीवरी की सेवा हो, इन सबमें पहले जिस तरह की कमाई होती थी वह भी बहुत कम हो गई है।

देशी कंपनियों के सामने हार्ले डेविडसन की चुनौती

अजीत द्विवेदी

भारत और अमेरिका के बीच दोपक्षीय व्यापार वार्ता चलती रहेगी लेकिन उससे पहले अंतरिम समझौते की घोषणा हो गई है। जिस दिन घोषणा हुई यानी समझौते का फ्रेमवर्क और साझा बयान जारी हुआ उसके अगले दिन, आठ फरवरी को पता नहीं अमेरिका के अखबारों में किसी भारतीय उत्पाद का विज्ञापन छपा या नहीं, लेकिन भारत की राजधानी दिल्ली में सभी बड़े अखबारों में पहले पन्ने पर पूरे पेज पर अमेरिकी मोटरसाइकिल हार्ले डेविडसन का विज्ञापन छपा। 125 सीसी की हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल की कीमत तीन लाख रुपए से कम बताई गई।

ध्यान रहे यह कोई सामान्य मोटरसाइकिल नहीं है। यह अमेरिकी औद्योगिक उत्पादन शृंखला का प्रतीक उत्पाद है। पहली बार राष्ट्रपति रहते डोनाल्ड ट्रंप इसी बाइक पर लगने वाले सौ फीसदी से ज्यादा टैरिफ को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नाराज हुए थे। उन्होंने भारत को टैरिफ किंग कहा था। बाद में भारत सरकार ने इस पर लगने वाला शुल्क कम किया। अब खबर है कि नए समझौते के तहत इस पर जीरो टैरिफ लगेगा। भारत में मोटरसाइकिल का बाजार बहुत बड़ा है और अब देशी कंपनियों के सामने हार्ले डेविडसन की चुनौती है।बहरहाल, अमेरिका के साथ होने वाले सौदे को लेकर बहुत सी बातें कही और लिखी जा चुकी हैं। जैसे पहले भारतीय उत्पादों पर तीन फीसदी टैरिफ लगता था अब 18 फीसदी लगेगा और भारत में अमेरिकी उत्पादों पर औसतन 15 फीसदी टैरिफ लगता था, जिसको शून्य किए जाने की खबर है। इसी तरह भारत ने रूस से तेल खरीदना कम कर दिया है और अमेरिका से खरीद बढ़ा दी है। ऐसे ही भारत अब वेनेजुएला से तेल खरीदना शुरू करेगा। यह तेल भारत को महंगा पड़ेगा।फ्रेमवर्क का ड्राफ्ट सामने आने और रूस से तेल खरीद की वजह से भारत पर लगाए गए 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ को वापस लेने के राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकारी आदेश की प्रति सामने आने के बाद कुछ नई और दिलचस्प चीजें पता चली हैं। ट्रंप के कार्यकारी आदेश में लिखा हुआ है कि अगर भारत ने फिर रूस से तेल खरीदना शुरू किया तो उसके ऊपर 25 फीसदी टैरिफ लगाया जा सकता है। सोचें, किसी संप्रभु राष्ट्र के लिए क्या कोई दूसरा देश इस तरह के आदेश और धमकी जारी कर सकता है? ट्रंप ने भारत के लिए जारी किया लेकिन सब अपनी सुविधा के हिसाब से उनकी अनदेखी कर रहे हैं।ऐसे ही फ्रेमवर्क में एक दिलचस्प बात यह है कि भारत अगले पांच साल में अमेरिका से पांच सौ अरब डॉलर के सामान खरीदेगा। यानी हर साल भारत को एक सौ अरब डॉलर के सामान खरीदने हैं। सवाल है कि भारत क्या खरीदेगा? अभी अमेरिका से भारत की औसत सालाना खरीद 40 अरब डॉलर की है। इसको दोगुने से ज्यादा बढ़ाना है। भारत अमेरिका से ऐसा क्या खरीदना शुरू करेगा कि उसका आयात दोगुने से ज्यादा बढ़ कर सौ अरब डॉलर यानी करीब नौ लाख करोड़ रुपए का हो जाएगा? यह सही है कि भारत ने तेल खरीद बढ़ा दी है। तेल व गैस की खरीद थोड़ी और बढ़ाई जा सकती है। कुछ विमान व विमानों के कल पुर्जों की खरीद बढ़ जाएगी लेकिन क्या इससे भारत का आयात दोगुना हो जाएगा? कम से कम पहले साल में तो नहीं होने वाला है।

भारत दुनिया के दूसरे देशों से सस्ती और जरुरत की चीजें छोड़ कर अमेरिका से ज्यादा और गैरजरूरी चीजों की खरीद करे तब तो बात अलग है। अन्यथा ऐसे हर साल नौ लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदना मुश्किल होगा। अगर भारत ने समझौते की इस शर्त को पूरा नहीं किया तो क्या होगा? सबको पता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सबसे करीबी सहयोगियों में से एक दक्षिण कोरिया के साथ क्या किया? उन्होंने दक्षिण कोरिया से समझौता किया और एक दिन अचानक कहा कि वह समझौते की शर्तों को ठीक से लागू नहीं कर रहा है इसलिए उसके ऊपर 25 फीसदी टैरिफ लगाया जाता है। भारत के सामने भी यह खतरा रहेगा।ध्यान रहे अभी तक भारत और अमेरिका के बीच व्यापार में संतुलन भारत के पक्ष में था। अमेरिका से भारत अभी करीब चार लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदता है और उसे सात लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का सामान बेचता है। दुनिया के ज्यादातर देशों के साथ अमेरिका का व्यापार संतुलन ऐसा ही था। तभी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अब तक अमेरिका सभी देशों के साथ व्यापार में घाटा उठाता रहा है, अब वे इसे बदलेंगे। यानी अब अमेरिका मुनाफा कमाएगा। भारत के साथ व्यापार में भी ऐसा ही होगा। अब व्यापार संतुलन अमेरिका के पक्ष में होगा। अगर भारत चाहता है कि ऐसा न हो तो वह अमेरिका से नौ लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदेगा और उसे इससे ज्यादा का सामाना बेचना होगा।सोचें, अभी भारत सात लाख करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा का सामान बेचता है अब अचानक तीन या चार लाख करोड़ रुपए का कौन सा सामान बेचने लगेगा कि व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में झुके? यह भी ध्यान रखने की जरुरत है कि यूरोपीय संघ के साथ भी भारत ने मुक्त व्यापार संधि की है। ब्रिटेन और न्यूजीलैंड के साथ भी संधि हुई है। इन देशों को भी सामान बेचना है। इसे एक अवसर माना जा सकता है। लेकिन क्या अवसर का लाभ उठाने के लिए भारत तैयार है?सौदे में एक और दिलचस्प बात यह है कि वाणिज्य मंत्री ने उन वस्तुओं की सूची गिनाई, जिनका निर्यात भारत करेगा। उसमें सेब और एवाकाडो भी है। सोचें, भारत में अपने इस्तेमाल का एवाकाडो तंजानिया, पेरू, चिली, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों से आता है तो भारत कहां से एवाकाडो अमेरिका को निर्यात करेगा। इसी तरह भारत में सेब की अपनी जरुरत अमेरिका से लेकर न्यूजीलैंड और चीन के सेब से पूरी होती है। बहरहाल, भारत को एक तरफ अनाज, फल आदि का उत्पादन बढ़ाना होगा, उन्हें पेस्टिसाइड से मुक्त करना होगा और अमेरिकी व यूरोपीय स्टैंडर्ड का करना होगा। उसके साथ ही अपना बुनियादी ढांचा भी मजबूत करना होगा।सरकार कह रही है कि उसने किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया है। लेकिन अभी समझौते का अंतिम मसौदा सामने आना बाकी है। सरकार ने सोयाबीन तेल पर से टैरिफ हटा दिया है, जबकि अभी तक उस पर 45 फीसदी टैरिफ लगता था। इसी तरह ड्राई डिस्टिलर्स ग्रेन को अनुमति दी गई और उस पर लगने वाले 14 फीसदी टैरिफ को जीरो किया गया है। बादाम पर 42 रुपए प्रति किलो और बादाम गिरि पर सौ रुपए किलो टैरिफ लगता था और अखरोट एक सौ फीसदी व अखरोट गिरि पर 120 फीसदी टैरिफ लगता था। उसे भी जीरो कर दिया गया है।इससे किसानों पर होने वाले असर का आकलन होना बाकी है लेकिन भारत को मिलने वाले आयात शुल्क में इससे अच्छी खासी कमी आएगी। सो, अगर भारत का निर्यात बहुत बड़ी मात्रा में नहीं बढ़ता है और आयात बढ़ता जाता है और अनेक चीजों पर आयात शुल्क कम हो जाता है तो भारत को विदेशी मुद्रा की कमी का सामना करना पड़ सकता है। बहरहाल, सौदे में कुछ तो गड़बड़ी है, जिसकी वजह से कोई खुल कर नहीं बात कर रहा है। सौदे के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री कहते हैं कि वाणिज्य मंत्री बताएंगे और रूस से तेल खरीदने के मामले पर वाणिज्य मंत्री कहते हैं कि विदेश मंत्री जानें या तेल कंपनियां जानें। भारत में शासन की इतनी केंद्रीकृत व्यवस्था में पहली बार ऐसा विकेंद्रीकरण देखने को मिल रहा है।

हिन्दी दैनिक
जोखिम

संक्षिप्त समाचार...

संगठनों की आड़ में अवैध धंधे करने वालों पर हो कार्रवाईः सुराज सेवा दल

देहरादून(संवाददाता)। सुराज सेवा दल ने मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने संगठनों की आड़ में सक्रिय ब्लैकमेलरों, भू-माफियाओं और नशा तस्करों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। महामंत्री देवेंद्र बिष्ट ने आरोप लगाया कि कुछ बाहरी लोग संगठनों का सहारा लेकर ब्याज, विवादित जमीनों और नशे का कारोबार कर रहे हैं। वहीं, प्रवक्ता वीरेंद्र पाल सिंह शिंडीपीश ने कहा कि प्रदेश में पहाड़-मैदान और हिंदू-मुस्लिम के नाम पर फिजा खराब करने वालों को चिह्नित करना जरूरी है, वरना देवभूमि श्दैत्यभूमिश बन जाएगी। संगठन ने चेतावनी दी कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे प्रदेशव्यापी आंदोलन को बाध्य होंगे। इस दौरान विपिन, हिमांशु धामी, लालमणि भारद्वाज समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बल्लूपुर में नए पार्क का उद्घाटन, क्षेत्रवासियों को मिली बड़ी सौगात

देहरादून(संवाददाता)। कैंट विधानसभा क्षेत्र के वार्ड संख्या 32, बल्लूपुर स्थित स्ट्रीट नंबर 3, राजेंद्र नगर में नव विकसित पार्क का उद्घाटन मंगलवार को पार्षद कोमलदीप वोहरा और पूर्व महानगर अध्यक्ष लाल चंद शर्मा ने क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में किया। पार्षद कोमलदीप वोहरा ने कहा कि यह पार्क राजेंद्र नगर क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांग और जनभावनाओं से जुड़ा एक ड्रीम प्रोजेक्ट है। पूर्व महानगर अध्यक्ष लाल चंद शर्मा ने कहा कि जनसहभागिता और स्थानीय निवासियों के सहयोग से ही ऐसे विकास कार्य संभव हो पाते हैं और आगे भी क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यक्रम में सीमा भाटिया, कमल कपूर, संजय शर्मा, मुकुल कुमार, रीता, खत्री, सर्वेश, विक्की नायक, महेंद्र शर्मा, सिंघल, वीके गुप्ता, रावेंद्र, खुराना, कवलजीत चड्ढा, त्रिपाठी, भट्टाचार्य, शर्मा,सचिन कुमार, गया प्रसाद, अनिल कुमार, सार्थक बत्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

लोकभवन में बसंत उत्सव के चलते डायवर्ट रहेगा ट्रैफिक

देहरादून(संवाददाता)। 27 फरवरी से एक मार्च तक लोकभवन (राजभवन) में बसंतोत्सव होने जा रहा है। इसके लिए मंगलवार को पुलिस ने ट्रैफिक प्लान जारी कर दिया है। ट्रैफिक प्लान 27 फरवरी से एक मार्च तक बसंतोत्सव चलने तक लागू रहेगा। ट्रैफिक प्लान लागू करने से पहले मंगलवार को एसपी सिटी प्रमोद कुमार और एसपी ट्रैफिक लोकजीत सिंह ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण भी किया। बसंतोत्सव का ट्रैफिक प्लान - राजपुर रोड की ओर से जाने वाले वाहन दिलाराम चौक, न्यू कैंट रोड होते हुए एनेक्सी तिराहा पर सवारों को ड्राप कर 8 जीआर मैदान में पार्क होंगे। यह पार्किंग फुल होने पर आरटी ग्राउंड में भी वाहन पार्क होंगे। पार्किंग स्थल से लोकभवन गेट के पास तक शटल सेवा चलेगी। - गढ़ी कैंट की ओर से आने वाले वाहन वाटिका तिराहा से महिंद्रा ग्राउंड में पार्क किया जाएंगे। यहां से शटल सेवा से एनेक्सी तिराहा तक भेजा जाएगा। - सरकारी अधिकारी-कर्मचारियो के प्राईवेट वाहनों की पार्किंग आरटी ग्राउंड में होगी। - सड़क किनारे वाहनों को पार्क करने वालों के वाहन चालान किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर क्रेन से उठावा लिया जाएगा। ट्रैफिक दबाव होने पर डायवर्ट प्लान दिलाराम चौक से कैंट रोड की ओर यातायात के दबाव होने की स्थिति में राजपुर रोड से समारोह में आने वाले वाहनों को सर्वे ऑफ इंडिया गेट के अंदर से न्यू कैंट रोड पर भेजा जाएगा। घ्मसूरी-कुठालगेट से आयोजन में आने वाले वाहनों को जोहड़ी गांव, गुच्चुपानी, सप्लाई तिराहा सीएसडी तिराहा भेजा जाएगा। यहां वाहनों में सवार उतर जाएंगे। वाहन महिंद्रा ग्राउंड में पार्क होंगे।

उत्तराखंड के वैज्ञानिक प्रो. आरसी रमोला मुबंई में सम्मानित

देहरादून(संवाददाता)। परमाणु ऊर्जा अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी)मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रो. आरसी रमोला को रेडॉन-थोरॉन अनुसंधान में दीर्घकालिक योगदान को देखते हुए लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया गया है। प्रो.आरसी रमोला हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के बादशाही थौल टिहरी परिसर में पर्यावरणीय विकिरण भौतिकी में कार्यरत हैं। उन्हें यह सम्मान 20-21 फरवरी को परमाणु ऊर्जा अनुसंधान केंद्र, मुंबई में आयोजित "एनवायरनमेंटल रेडॉन एंड इट्स एप्लिकेशन्स" राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान प्रदान किया गया। सम्मेलन में प्रो. रमोला आमंत्रित वक्ता के रूप में शामिल हुए जहां उन्होंने भारत में रेडॉन-थोरॉन मॉनिटरिंग का राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य विषय पर व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने देश में पर्यावरणीय रेडॉन-थोरॉन निगरानी की वर्तमान स्थिति, तकनीकी चुनौतियों, मानकीकरण पर प्रकाश डाला। उनका कहना है कि ये एक पर्यावरण और जनस्वास्थ्य से जुड़ा विषय है।

शिक्षा मंत्री डा. रावत के नेतृत्व में एक्सपोजर विजिट पर जायेंगे विधायक-अधिकारी

- दिल्ली व आंध्र प्रदेश में शिक्षा से जुड़ी सफल योजनाओं का करेंगे अध्ययन

देहरादून(संवाददाता)। सूबे के उच्च शिक्षा एवं विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ० धन सिंह रावत की अध्यक्षता में विधायकों व संबंधित विभागीय अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल विभिन्न राज्यों में एक्सपोजर विजिट पर जायेगा। अध्ययन भ्रमण के तहत दिल्ली में विद्यालयी शिक्षा जबकि आंध्र प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संचालित विभिन्न सफल योजनाओं एवं नवाचारों का अध्ययन किया जायेगा, ताकि भविष्य में प्रदेश के शिक्षा क्षेत्र में बेहतर योजनाओं को लागू किया जा सके। कैबिनेट मंत्री डॉ० धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी एक बयान में बताया कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र विकास को लेकर निरंतर प्रयासरत है और समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को केन्द्र में रखकर योजनाएं बनाई जा रही है ताकि प्रत्येक व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि अन्य राज्यों में लागू सफल शिक्षा मॉडल का अध्ययन के लिये सरकार द्वारा विधायकों व अधिकारियों को एक्सपोजर विजिट पर भेजने का निर्णय लिया गया है, ताकि ऐसी योजनाओं को प्रदेश में लागू कर सरकारी विद्यालयों व उच्च शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता एवं दक्षता में सुधार किया जा सके। इसी कड़ी में विद्यायली शिक्षा के अंतर्गत डा. रावत की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विधायक व अधिकारियों का दल दिल्ली के एक्सपोजर विजिट पर जायेगा। जिसके लिये सरकार द्वारा धर्मपुर विधायक विनोद चमोली, हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत, खानपुर विधायक उमेश कुमार सहित विद्यालयी शिक्षा सचिव रविनाथ रमन व महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा दीप्ती सिंह को नामित किया गया है। यह दल दिल्ली सरकार द्वार शिक्षा के क्षेत्र में संचालित सफल योजनाओं, सरकारी स्कूलों में गुणवत्ता एवं दक्षता सुधार तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों की व्यवस्थाओं का अध्ययन करेगा। इसी प्रकार उच्च शिक्षा के अंतर्गत विभागीय मंत्री डा. रावत की अध्यक्षता में विधायकों व विभागीय अधिकारियों का पांच सदस्यीय दल आंध्र प्रदेश जायेगा। यह दल वहां उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किये गये नवाचारों, आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों का अध्ययन करेगा। भ्रमण के दौरान दल आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम (एपीएसएसडीसी) का दौरा करेगा, जहां पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइसं, क्लाउड तथा अन्य आधुनिक तकनीकों में 4 लाख छात्रों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा रतन टाटा इनोवेशन हब अमरावती, एनवीडिया आंध्र प्रदेश यूनिवर्सिटी तथा क्वांटम वैली का भी अध्ययन भ्रमण किया जायेगा। इस दल के लिये टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय, चकराता विधायक प्रीतम सिंह तथा यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल सहित उच्च शिक्षा सचिव डॉ० रंजीत कुमार सिन्हा तथा निदेशक आईटीडीए आलोक पाण्डेय को नामित किया गया है। डॉ० रावत ने बताया कि सरकार द्वारा नामित विधायकों व अधिकारियों के इस एक्सपोजर विजिट की तिथि शीघ्र निर्धारित की जायेगी। इस अध्ययन भ्रमण से प्राप्त अनुभवों के आधार पर राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार, नवाचारों के विस्तार तथा छात्र-छात्राओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस कदम उठाये जायेंगे।

भाजपा ने महानगर में घोषित की किसान, युवा, महिला मोर्चा टीम

देहरादून(संवाददाता)। भाजपा ने महानगर देहरादून में किसान, महिला, युवा, अल्पसंख्यक, अनूसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा टीम का गठन कर पदाधिकारियों के नाम घोषित कर दिए हैं। सभी मोर्चों में कुल मिलाकर कार्यसमिति सदस्यों समेत 196 से अधिक पदाधिकारी हैं। पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को ध्यान में रखते हुए एक बार फिर युवा एवं अनुभवी चेहरों पर भरोसा जताया है। पार्टी ने इस बात का पूरा ध्यान रखा है कि किसी किस्म की राजनैतिक खेमाबंदी की संभावनाओं को दूर कर दिया जाए। पदाधिकारी इसके साथ चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। किसान मोर्चा में चार जिला उपाध्यक्षों में जितेन्द्र रावत, श्याम सुंदर चौहान, तेजपाल सैनी, हिमेश भटनागर, दो जिला महामंत्री में आशीष राजवंशी, राकेश रावत, चार जिला मंत्री में उदित मौर्य, नीरज शर्मा, अंशुल घई, राकेश कुकरेती समेत कुल 38 पदाधिकारी शामिल हैं। महिला मोर्चा में छह जिला उपाध्यक्ष पुष्पा पडियार, हेमा परिहार, मीनाक्षी गोदियाल, सुधा प्रधान, दो जिला महामंत्री मनोरमा काला, इसरार कुरैशी, दो जिला महामंत्री दिलबाग सिंह, सोनू सरदार समेत 40 अन्य पदाधिकारी, अनूसूचित जनजाति मोर्चा में चार जिला उपाध्यक्ष मुन्ना सिंह राणा, प्रताप सिंह तोमर,अमित चौधरी समेत 38 पदाधिकारी शामिल हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष की गिरफ्तारी के विरोध में एनएसयूआई का अर्द्धनग्न प्रदर्शन

देहरादून(संवाददाता)। दिल्ली में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिखर सम्मेलन के दौरान युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी के विरोध में रैली निकालकर एनएसयूआई ने प्रदर्शन किया। मंगलवार को एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी के नेतृत्व में कांग्रेस भवन से एस्लेहॉल चौक तक रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने अर्द्धनग्न होकर केंद्र और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों ने युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की तत्काल रिहाई की मांग की।

सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम में हुआ समस्याओं का समाधान

डोईवाला ब्लॉक की कई पंचायतो में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

डोईवाला संवाददाता। सरकार जनता के द्वार चौपाल कार्यक्रम के तहत विकास खण्ड डोईवाला के ग्राम पंचायत गडूल, इठारना एवं मारखमग्राण्ट में विशेष कार्यधिकारी कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग उत्तराखंड शासन से संजीव कुमार शर्मा की उपस्थिति में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित विभागों द्वारा अपनी योजनाओं पर जानकारी दी गई। विकास खंड डोईवाला के सभी विभागों ग्राम्य विकास, लघु सिंचाई, जल संस्थान, विद्युत विभाग, समाज कल्याण, मनरेगा, बाल विकास विभाग, वन विभाग, पंचायत राज विभाग, कृषि विभाग, पी एम जी एस वाई के द्वारा अपनी योजनाओं की जानकारी दी गयी। साथ ही गांव के द्वारा विभागीय समस्याओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी गयी। विशेषकर प्रधानमन्त्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत ग्राम इठारना गडूल के लिए बन रही सड़क के सम्बन्ध में स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि वह पर स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। जिसके सम्बंध में पी०एम० जी० एस०वाई० के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उसका तकनीकी परीक्षण के पश्चात ही सम्बन्धित ठेकेदार को प्रयोग करने की अनुमति दी जाती है। जिसके सम्बन्ध में विशेष कार्यधिकारी संजीव कुमार शर्मा द्वारा पी० एम० जी० एस० वाई० के प्रतिनिधि को बताया गया कि जब भी कोई उच्चस्तर के अधिकारी निरीक्षण पर आते हैं तो उनकी सूचना स्थानीय ग्रामीणों को भी दी जाए, तथा उनकी ग्रामीणों के साथ बैठक भी रखी जाए। कार्यक्रम के दौरान कार्यधिकारी द्वारा जन समस्या भी सुनी गयी, साथ ही जन समस्या का संज्ञान लेकर संबंधित विभाग से त्वरित समाधान मौके पर करवाया गया।

हिन्दी दैनिक जोखिम

हाईवे का हो सुधारीकरण, सभी व्यवस्थाएं समय से करें दुरुस्त

चमोली(संवाददाता)। चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी गौरव कुमार और पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने कमेड़ा से बदरीनाथ धाम (160 किमी) तक बदरीनाथ हाईवे का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने इस दौरान हाईवे पर सुधारीकरण कार्यों के साथ ही पेयजल, शौचालय, पंजीकरण, स्वास्थ्य, पार्किंग, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम ने अधिकारियों को यात्रा शुरू होने से पहले सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए। बदरीनाथ धाम की तीर्थयात्रा आगामी 23 अप्रैल से शुरू होगी। यात्रा को निर्विघ्न संचालित करने के लिए चमोली जिला प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। मंगलवार को डीएम और एसपी ने जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ बदरीनाथ हाईवे पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम ने एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों को यात्रा मार्ग के खतरनाक स्थानों पर फ्लड लाइट लगवाने व भूस्खलन क्षेत्रों से पूर्व साइन बोर्ड स्थापित करने के निर्देश दिए। जल संस्थान व पेयजल निगम को हैंडपंप व वाटर एटीएम की सफाई करने, नगर पालिका, नगर पंचायत, जिला पंचायत व सुलभ इंटरनेशनल के अधिकारियों को शौचालयों को चालू करने व साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने, स्वास्थ्य विभाग को यात्रा मार्ग पर जांच केंद्र स्थापित करने के साथ ही अस्पतालों की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर एसडीएम चंद्रशेखर वशिष्ठ, एसडीएम कर्णप्रयाग सोहन सिंह रांगड़, सीएमओ डॉ. अभिषेक गुप्ता, एनएचआईडीसीएल के परियोजना प्रबंधक अंकित राणा, जिला पर्यटन विकास अधिकारी अरविंद गौड़, नगर पालिका ज्योतिर्मठ के ईओ सुनील पुरोहित, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी, जिला पूर्ति अधिकारी अंकित पांडेय के साथ ही कई अधिकारी मौजूद रहे।

सीएचसी में डॉक्टरों की कमी से क्षेत्र के लोग परेशान

नई टिहरी(संवाददाता)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के चलते क्षेत्र के लोगों को उपचार के मसूरी और देहरादून की दौड़ लगानी पड़ती है। अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं होने से पेट संबंधी बीमारी और गर्भवती महिलाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सीएचसी थत्यूड़ में समुचित स्वास्थ्य सुविधा न होने के कारण क्षेत्र के लोग उपचार के लिए 35 किलोमीटर दूर मसूरी या 70 किलोमीटर देहरादून का रुख करने को मजबूर हैं। जिससे लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। व्यापार मंडल अध्यक्ष अकबीर पंवार ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र पर अल्ट्रासाउंड की सुविध ा नहीं होने से गर्भवती महिलाएं और पेट संबंधित बीमारियों की शिकायत लेकर आने वाले मरीजों को जांच के लिए मसूरी और देहरादून भेजा जाता है। सीएचसी में अल्ट्रासाउंड की सुविधा होनी चाहिए। प्रधान सरस्वती रावत ने कहा कि सीएचसी में डॉक्टरों के 10 पद स्वीकृत हैं, लेकिन यहां मात्र चार डॉक्टर ही कार्यरत है। बाल रोग, हडडी, सर्जन और महिला विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के चलते लोगों को पूरा उपचार नहीं मिल पाता है जिससे लोग की परेशानी बढ़ जाती है। क्षेत्र की बह्मी देवी असवाल, ब्लॉक प्रमुख महिपाल सिंह रावत का कहना है कि सीएचसी थत्यूड़ पूर्व के वर्षों में पीपीपी मोड़ पर संचालित होता था तब अल्ट्रासाउंड की सुविधा थी। पीपीपी मोड़ से हटाने के बाद अल्ट्रासाउंड मशीन को जिला मुख्यालय टिहरी भेज दिया गया है। तब से अल्ट्रासाउंड की सुविधा बंद है। सीएचसी थत्यूड़ में रेडियोलॉजिस्ट का पद स्वीकृत नहीं है जिससे लोगों को अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा नहीं मिल पाती है। डॉक्टरों के अन्य जो पद रिक्त चल रहे है पर उन तैनाती के लिए निदेशालय को डिमांड भेजी गई है। -डॉ. मनीषा भारती, प्रभारी सीएचसी थत्यूड़।

चारधाम यात्रा की तर्ज पर हो श्रीनंदा लोकजात का आयोजन

चमोली(संवाददाता)। रूपकुंड पर्यटन विकास संघर्ष समिति ने हर साल होने वाली श्रीनंदा लोकजात को चारधाम यात्रा की तर्ज पर आयोजित करने की मांग की। इसके लिए समिति जल्द एक बैठक करेगी। साथ ही लोकजात के पड़ावों व मार्ग की विस्तृत जानकारी लेने के लिए समिति अध्ययन दल भी भेजेगी। प्रति वर्ष अगस्त-सितंबर माह में श्रीनंदा लोक जात का आयोजन किया जाता है। इस यात्रा का आयोजन बधाण व नंदानगर के ग्रामीण करते हैं। सिद्धपीठ कुरुड़ मंदिर से शुरू होने वाली नंदा लोकजात का समापन सप्तमी के दिन देवली में होता है। इस यात्रा में 22 पड़ाव जाने के व छह पड़ाव वापसी के हैं। मां नंदा की डोली अंतिम पड़ाव बैनोली, लोल्टी के बाद छह माह सिद्धपीठ देवराड़ा मंदिर में प्रवास में रहने के बाद कुरुड़ के लिए प्रस्थान करती है। समिति के अध्यक्ष इंद्र सिंह राणा ने बताया कि श्रीनंदा लोकजात को चारधाम यात्रा की तर्ज पर आयोजित करने के लिए सीएम को ज्ञापन भेजा गया है।

हिंदू सम्मेलन की कमान महिला मोर्चा ने संभाली

श्रीनगर गढ़वाल(संवाददाता)। नगर निगम के वार्ड 11 से वार्ड 25 तक बाजार क्षेत्र का भव्य हिंदू सम्मेलन 26 फरवरी को शाम चार बजे से गोला बाजार में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजपा महिला मोर्चा ने कमान संभाली है। इसी के तहत श्रीनगर मंडल कार्यालय में महिला मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की विशेष तैयारी बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता हिंदू सम्मेलन के संयोजक गणेश भट्ट ने की। उन्होंने सभी महिला मोर्चा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रमिला भंडारी ने कहा कि महिला मोर्चा की सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता इस सम्मेलन में बढ़-चढ़कर भाग लेंगी।

एआई और आधुनिक तकनीकें समझें, कॅरिअर के तलाशें अवसर

श्रीनगर गढ़वाल(संवाददाता)। राजकीय पॉलिटेक्निक श्रीनगर में आयोजित राज्य स्तरीय स्किल वीक कार्यक्रम के तहत मंगलवार को दूसरे दिन विभिन्न आधुनिक तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञों ने विचार रखेइस अवसर पर वक्ताओं ने आधुनिक तकनीकों और एआई की महत्ता पर जोर देते हुए युवाओं को इस क्षेत्र में कॅरिअर के नए अवसर तलाशने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम समन्वयक राजकीय पॉलिटेक्निक श्रीनगर की रीना नवानी ने बताया कि दूसरे दिन के कार्यक्रम की शुरुआत एकेडमिक इंस्टीट्यूट की रचना जोशी ने की। रचना जोशी ने कहा कि उत्तराखंड और भारत को एक जागरूक एवं सशक्त राष्ट्र के रूप में विकसित करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को नई तकनीकों को अपनाने और स्वयं को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए प्रेरित किया। विवेक पंवार ने कहा कि वर्तमान समय में एआई और डिजिटल मार्केटिंग युवाओं के लिए सबसे तेजी से बढ़ते कॅरिअर विकल्पों में शामिल हैं। डेटा, ऑटोमेशन और डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते उपयोग के कारण इन क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग लगातार बढ़ रही है। दिवाकर द्विवेदी ने इंटरनेट ऑफ थिंग्स विषय पर जानकारी दी। कहा कि स्मार्ट डिवाइस और कनेक्टेड टेक्नोलॉजी आने वाले समय में उद्योगों की कार्यप्रणाली को पूरी तरह बदलने वाली हैं। इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और रोजगार के अवसरों पर भी प्रकाश डाला। वहीं गढ़वाल केंद्रीय विवि के इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. ओम प्रकाश, डॉ. अलकनंदा व गुरुकुल कांगड़ी के डॉ. सुयश आदि ने भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग आदि पर विचार रखे।

यमुनोत्री यात्रा रूट पर पहली बार बनेगा अस्थायी पशु अस्पताल

उत्तरकाशी(संवाददाता)। यमुनोत्री धाम यात्रा रूट पर पहली बार घोड़ा-खच्चरों के स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए अस्थायी पशु अस्पताल का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की ओर से एसडीएम बड़कोट और पशुपालन विभाग के अधिकारियों को संयुक्त निरीक्षण कर भूमि चयनित करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का दावा है कि चारधाम यात्रा से पहले वहां पर अस्पताल का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। यमुनोत्री धाम यात्रा रूट पर सबसे अधिक परेशानी बेजुबान घोड़े-खच्चर की स्वास्थ्य सुविधा को बनी रहती है। पांच किमी की खड़ी चढ़ाई और ढलान पर कई बार घोड़ा-खच्चर चोटिल हो जाते हैं। साथ की कई बीमारियों से भी ग्रसित हो जाते हैं। गत वर्ष केदारनाथ में घोड़े-खच्चरों के बीमार होने से संचालकों को परेशानी बढ़ गई थी। उसके बाद यमुनोत्री में भी आनन-फानन में पशुपालन विभाग की ओर से जानवरों की मेडिकल जांच की गई थी। उसमें कई घोड़े-खच्चर बीमार पाए गए। साथ ही कई बार घोड़े-खच्चरों को सही समय पर उपचार नहीं मिल पाता था। इसका मुख्य कारण यह था कि यमुनोत्री धाम यात्रा पड़ाव और जानकीचट्टी में पशुपालन विभाग के डॉक्टरों और कर्मचारियों के सुविधा न होने के कारण कई बार समय पर नहीं पहुंच पाते थे। इसको देखने हुए जिलाधिकारी की ओर से यमुनोत्री धाम यात्रा संबंधित विभागों की बैठक में निर्देश दिए गए कि यमुनोत्री यात्रा रूट पर एक प्रीफेब्रीकेटेड पशु अस्पताल का निर्माण किया जाए। सीवीओ एचएस बिष्ट ने कहा कि डीएम के निर्देश पर एक सप्ताह के भीतर अस्पताल के लिए यमुनोत्री यात्रा रूट पर अस्पताल के लिए भूमि चयनित किया जाएगा।

राज्य आंदोलनकारियों के 16 नामों पर समिति ने दी सहमति

नई टिहरी(संवाददाता)। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण को लेकर डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में वंचित आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण से संबंधित प्रकरणों पर चर्चा की गई। बैठक में 16 प्रकरणों पर सहमति प्रदान की गई जबकि एक प्रकरण को अगली बैठक में शपथपत्र उपलब्ध कराने के बाद सहमति देने का आश्वासन मिला। जिला सभागार में डीएम नितिका की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रस्तुत कुल आवेदनों में से तीन आवेदनों पर एसडीएम और पुलिस विभाग की संस्तुति के क्रम में चयन के लिए संस्तुति प्रदान की गई जिस पर डीएम व समिति के सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया। समिति ने तहसील नैनबाग के ग्राम कसोन निवासी सुरेंद्र सिंह के प्रकरण में अगली बैठक में शपथपत्र प्रस्तुत करने के बाद संस्तुति देने का निर्णय लिया। बैठक में मतेंद्र दत्त बहुगुणा, संजय सजवाण, हरिकृष्ण कंसवाल, मुकुल देव, नीतीश कुड़ियाल, शाकंबरी देवी, कांति कपरवाण, विजय लक्ष्मी मौजूद रहे।

प्रशासन की बेरुखी से ग्रामीणों में उबाल, गेंवाली में आंदोलन तेज

- आंदोलन के समर्थन में महिलाएं और बुजुर्ग भी बैठे क्रमिक अनशन में

नई टिहरी(संवाददाता)। टिहरी जिले के सीमांत गेंवाली गांव में मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन तेज होता जा रहा है। गांव के पूर्व प्रधान बचन सिंह रावत सात सूत्री मांगों को लेकर पांचवें दिन भी भूख हड़ताल पर डटे रहे। उनके समर्थन में गांव की महिलाएं और बुजुर्ग क्रमिक अनशन पर बैठे रहे। आंदोलनरत ग्रामीणों का आरोप है कि पांच दिन बीतने के बावजूद वार्ता के लिए कोई भी जिम्मेदार अधिकारी गांव नहीं पहुंचा जिससे लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण 20 फरवरी से गेंवाली गांव के पंचायती चौक में धरना दे रहे हैं। वे क्षतिग्रस्त सड़क का निर्माण, पुल निर्माण कार्य शुरू करने, मोबाइल टावर स्थापित करने, आपदा प्रभावित 12 परिवारों का पुनर्वास, क्षतिग्रस्त जूनियर हाईस्कूल भवन का निर्माण शुरू करने की मांग को लेकर आंदोलनरत है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से उक्त समस्याओं को लेकर शासन-प्रशासन से गुहार लगाई जा रही है लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। समस्याओं के समाधान में हो रही देरी से नाराज पूर्व प्रधान बचन सिंह रावत भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं।

40 साल पुरानी थत्यूड़-अलमस सड़क आज भी संकरी, ग्रामीणों में भारी रोष

नई टिहरी(संवाददाता)। थत्यूड़-अलमस आठ किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण नहीं हो पा रहा है। चार दशक पुरानी सड़क का स्थानीय लोग लंबे समय से चौड़ीकरण करने की मांग कर हैं लेकिन शासन-प्रशासन के स्तर पर कोई सार्थक प्रयास नहीं होने से लोगों में आक्रोश है। सड़क संकरी होने से दुर्घटना की आंशका बनी रहती है। अलमस बैंड से यह सड़क ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ को जोड़ती है जिस पर तीन पट्टियों के गांव के लोग आवागमन करते हैं। अलमस बैंड से आगे भवान- नगुण- उत्तरकाशी -देहरादून को जोड़ने वाली सड़क का वर्ष 2023- 24 में चौड़ीकरण के साथ सुधारीकरण का कार्य हो चुका है, लेकिन ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ को जोड़ने वाली आठ किलोमीटर हिस्से को छोड़ दिया गया है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

लोककला के संवर्धन हेतु सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

- सीएम धामी ने किया चंपावत में कलश संगीत कला समिति द्वारा आयोजित खड़ी होली महोत्सव का वर्चुअल शुभारम्भ

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चंपावत में कलश संगीत कला समिति द्वारा आयोजित खड़ी होली महोत्सव का वर्चुअल माध्यम से विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुमाऊँ की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कुमाऊँ अंचल की खड़ी होली एवं बैठकी होली केवल एक पर्व या सांस्कृतिक आयोजन नहीं हैं, बल्कि यह हमारी समृद्ध लोकसंस्कृति, पारंपरिक लोकसंगीत और सामाजिक समरसता की सजीव अभिव्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही यह परंपरा हमारी लोक आस्था, सांस्कृतिक चेतना और सामूहिक एकता को सशक्त बनाती आई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। होली के पारंपरिक गीतों, वाद्ययंत्रों और सामूहिक सहभागिता से परिपूर्ण यह उत्सव लोगों को बचपन की मधुर स्मृतियों से जोड़ता है और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने का माध्यम बनता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोककला, लोकभाषा और लोकसंस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश में विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों, मेलों एवं महोत्सवों को प्रोत्साहन देकर स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान किया जा रहा है। इससे न केवल सांस्कृतिक विरासत सशक्त हो रही है, बल्कि स्थानीय कलाकारों को भी नई पहचान और अवसर प्राप्त हो रहे हैं।मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे तथा सामाजिक सौहार्द और सामूहिकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेंगे। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि कलश संगीत कला समिति द्वारा इस प्रकार के आयोजन क्षेत्र की सांस्कृतिक समृद्धि को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, कलाकार एवं सांस्कृतिक प्रेमी उपस्थित रहे।

एसडीएमपी व डीडीएमपी जल्द होंगी जारी, सचिव आपदा प्रबंधन ने की प्रगति की समीक्षा

देहरादून(संवाददाता)। राज्य में आपदा जोखिम न्यूनीकरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राज्य आपदा प्रबंधन योजना एवं जनपद आपदा प्रबंधन योजनाओं को अद्यतन किए जाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इस संबंध में मंगलवार को सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास श्री विनोद कुमार सुमन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें योजनाओं के अद्यतन कार्य की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में अवगत कराया गया कि राज्य तथा जनपद आपदा प्रबंधन योजनाओं का कार्य लगभग अंतिम चरण में हैं और शीघ्र ही इन्हें प्रकाशित किया जाएगा।

किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सशक्त स्तंभ, पर्यावरण के संरक्षक और संस्कृति के संवाहक भी हैं: गणेश जोशी

देहरादून(संवाददाता)। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने आज देवभूमि उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय प्रेमनगर द्वारा आयोजित 'कृषि कुम्भ-2026' के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने मेले में लगाए गए विभिन्न कृषि, बागवानी एवं नवाचार आधारित स्टालों का अवलोकन किया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। साथ ही मंत्री जोशी ने कृषि वानिकी पर आधारित पुस्तक का भी विमोचन किया। अपने संबोधन में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है और गाँवों की आत्मा हमारे किसान हैं। किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सशक्त स्तंभ, पर्यावरण के संरक्षक और संस्कृति के संवाहक भी हैं। उन्होंने कहा कि जब विश्व खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब भारतीय किसान अपनी मेहनत, नवाचार और संकल्प से समाधान प्रस्तुत कर रहा है। कृषि मंत्री जोशी ने कहा कि प्रदेश के किसानों ने जैविक खेती, बागवानी, औषधीय पौधों, अन्न (मिलेट्स), मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन एवं पशुपालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि "किसान मेला" केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुभव और नवाचार का संगम है, जहाँ किसान, वैज्ञानिक, छात्र और उद्यमी एक मंच पर संवाद कर कृषि के भविष्य की दिशा तय करते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा और खेत के बीच की दूरी जितनी कम होगी, कृषि उतनी ही प्रगति करेगी।

संक्षिप्त समाचार...

हिमालयन एफसी और बालाजी ब्वॉयज क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

देहरादून(संवाददाता)। 56वें अमर शहीद खड्क बहादुर बिष्ट मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट में हिमालयन एफसी ने 7 गढ़वाल राइफल्स को 1-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। दूसरे मैच में बालाजी ब्वॉयज ने सौरव की तिकड़ी के दम पर नवादा इलेवन को 6-1 से करारी शिकस्त दी। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में मंगलवार को हिमालयन एफसी व 7 गढ़वाल राइफल्स के बीच खेला गया पहला मैच संघर्षपूर्ण रहा। खेल के सातवें मिनट में हिमालयन एफसी के फॉरवर्ड सिद्धांत क्षेत्री ने विपक्षी रक्षापंक्ति की चूक का फायदा उठाते हुए गोल दाग टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। पिछड़ने के बाद 7 गढ़वाल राइफल्स के खिलाड़ियों ने बराबरी पर आने के कई प्रयास किए, लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

हरिद्वार बाईपास रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से ट्रैफिक सिपाही गंभीर

देहरादून(संवाददाता)। कारगी चौक के पास हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैफिक पुलिस का सिपाही गंभीर घायल हो गया। 19 फरवरी को हुए हादसे में सिपाही को मंगलवार तक होश नहीं आया। सिपाही की पत्नी की शिकायत पर नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ सोमवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसओ संजीत कुमार ने बताया कि हादसा 19 फरवरी की रात करीब 10:52 बजे निरंकारी सत्संग भवन के समीप हुआ। जब कई अज्ञात वाहनों ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। उन्हें उपचार के लिए पटेलनगर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बनभूलपुरा रेलवे भूमि प्रकरण में सुनवाई के दौरान व्यावहारिक समाधान की दिशा में अहम निर्देश

हल्द्वानी (संवाददाता)। /हल्द्वानी /बनभूलपुरा रेलवे भूमि प्रकरण में सुनवाई के दौरान व्यावहारिक समाधान की दिशा में अहम निर्देश दिए हैं। अदालत ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और राजस्व अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे स्थल पर विशेष शिविर लगाकर वहां रह रहे लोगों की मदद करें, ताकि वे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास के लिए आवेदन कर सकें।मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ताओं को उसी भूमि पर बने रहने का कानूनी अधिकार नहीं है, लेकिन सरकार का दायित्व है कि पात्र लोगों का पुनर्वास सुनिश्चित करे। अदालत ने कहा कि यह गतिरोध अनिश्चितकाल तक नहीं चल सकता और 31 मार्च से पहले ठोस समाधान सामने आना चाहिए।कोर्ट के प्रमुख निर्देशआवास योजना ही विकल्प : प्रभावित अधिकांश परिवार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग में आते हैं, इसलिए उन्हें पीएम आवास योजना के तहत आवेदन करना होगा।19 मार्च से विशेष शिविर : बनभूलपुरा क्षेत्र में ऑन-साइट कैंप लगाकर आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा।प्रशासन को सीधी हिदायत : नैनीताल जिला प्रशासन और हल्द्वानी के अधिकारी आवेदन पत्र उपलब्ध कराएं और प्रक्रिया में सहयोग दें।काउंसलिंग व जागरूकता : सामाजिक कार्यकर्ता और विशेषज्ञ लोगों को योजना के लाभ समझाएंगे, ताकि भ्रम और आशंकाएं दूर हो सकें।न्यायमूर्ति बागची ने टिप्पणी की कि भूमि राज्य की है और उसका उपयोग राज्य का विशेषाधिकार है; यह मामला कानूनी अधिकार से अधिक मानवीय सहायता से जुड़ा है।अब इस प्रकरण में अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। अदालत के निर्देशों के बाद प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं, ताकि प्रभावित परिवारों को समयबद्ध और सम्मानजनक समाधान मिल सके।इधर मामले की अहम सुनवाई के मद्देनजर बनभूलपुरा में भारी पुलिस बल तैनात रहा।ड्रोन कैमरे से निगरानी जारी थी।ैच डॉ मंजूनाथ टीसी ने खुद बनभूलपुरा पहुंच कर सुरक्षा और शांति व्यवस्था का जायजा लिया।

उमेश शर्मा काऊ और उनके समर्थकों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग

रामनगर (संवाददाता)। उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी ने प्रारंभिक शिक्षा निदेशक अजय कुमार नौडियाल एवं कर्मचारियों के साथ निदेशालय में विधायक उमेश शर्मा काऊ एवं उनके समर्थकों द्वारा की गई मारपीट करने के मामले मे विधायक उमेश शर्मा काऊ और उनके समर्थकों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। गिरफ्तारी की मांग कर रहे शिक्षक कर्मचारी के आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के प्रधान महासचिव व राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी ने अपने कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत कर एक बैठक की। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में सत्ता के संरक्षण में भाजपा -आरएसएस से जुड़े संगठनों और उनके विधायक समर्थकों द्वारा खुलेआम गुंडागर्दी की जा रही है। उत्तराखंड का पुलिस प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशक एवं कर्मचारियों के साथ मारपीट करने वाले विधायक एवं उनके समर्थकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बावजूद भी पुलिस प्रशासन द्वारा विधायक की गिरफ्तारी नहीं की गई है।कानूनी कार्रवाई करने ने बचा रही है जिसके कारण कानून के शासन से लोगों का भरोसा टूट रहा है। उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रदेश में विराट हिंदू सम्मेलनों के माध्यम से तथाकथित संतों द्वारा नफरती एवं हेट स्पीच दी जा रही हैं और एक समुदाय विशेष के लोगों के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग कर सामाजिक सद्भाव को खत्म करने की कोशिश की जा रही है लेकिन शासन प्रशासन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी ने प्रदेश की जनता एवं जन पक्षधर संगठनों से उत्तराखंड सरकार एवं भाजपा से जुड़े संगठनों द्वारा समाज को बांटने की जो साजिश की जा रही है , गुंडागर्दी की जा रही है उससे आम लोगों की रक्षा के लिए आगे आने की अपील की है। इस दौरान बैठक में प्रभात ध्यानी, मनमोहन अग्रवाल, लालमणि आसिफ आदि मौजूद रहें।

अधिकारी-कर्मचारी पर हमला सरकार पर हमला: सुषमा

रुद्रपुर (संवाददाता)। एजुकेशनल मिनिस्ट्रियल ऑफिसर्स एसोसिएशन उत्तराखंड के आह्वान पर एजुकेशनल मिनिस्ट्रियल कर्मचारियों का मंगलवार को दूसरे दिन भी कार्यबहिष्कार जारी रहा। मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में शिक्षा अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्य से विरत रहकर धरना-प्रदर्शन किया। धरना स्थल की अध्यक्षता एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अमरदीप चौधरी ने की। मुख्य शिक्षा अधिकारी केएस रावत भी धरना स्थल पर पहुंचे। विभिन्न विभागों के संगठन पदाधिकारियों ने घटना पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो पूरे प्रदेश में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। उत्तरांचल परिवहन कर्मचारी संगठन की प्रदेश अध्यक्षा सुषमा चौधरी ने कहा कि कर्मचारी और अधिकारी सरकार का अभिन्न अंग हैं, उनके साथ किसी भी प्रकार का हमला सरकार पर हमले के समान है। धरना स्थल पर उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन, मिनिस्ट्रियल फेडरेशन तथा आयुर्वेदिक यूनानी मिनिस्ट्रियल कर्मचारी संगठन सहित अन्य कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने समर्थन दिया है।

नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत गंगा एवं पर्यावरण स्वच्छता का दिया सन्देश

रामनगर (संवाददाता)। पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामनगर में श्नमामि गंगेश कार्यक्रम के अंतर्गत एक भव्य स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो. एस. एस मौर्य ने किया।इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर से एक विशेष रैली निकाली गई, जिसे प्रो. मौर्य ने हरी झंडी दिखाकर गार्जिया मंदिर के लिए रवाना किया। रैली का उद्देश्य आम जनमानस में गंगा नदी,उसकी सहायक नदियों एवं जल स्रोतो की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था।कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को श्नमामि गंगेश टी-शर्ट और कैप वितरित की गई। साथ ही सभी उपस्थित लोगों को गंगा नदी एवं जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया स छात्रों ने मंदिर परिसर में सफाई अभियान चलाकर पर्यटको से मंदिर एवं कोसी नदी को स्वच्छ रखने का संदेश भी दिया।कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ नीमा राणा ने छात्र-छात्राओं को श्नमामि गंगेश कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों से अवगत कराया और बताया कि किस प्रकार यह योजना गंगा संरक्षण के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है।इस आयोजन में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. मुरली धर कापड़ी ने विशेष योगदान दिया।

आन्दोलन उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद् में दूसरे दिन भी जारी रहा।

रामनगर (संवाददाता)। शिक्षा निदेशालय प्रारम्भिक शिक्षा देहरादून में निदेशक से मारपीट एवं अभद्रता प्रकरण में आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी करने को लेकर चल रहे प्रदेशव्यापी कार्य बहिष्कार आन्दोलन उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद् में दूसरे दिन भी जारी रहा। यह धरना प्रदर्शन विभिन्न संगठनों के प्रान्तीय स्तर पर गठित अधिकारी-शिक्षक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में किया जा रहा है।उत्तराखंड विद्यालय शिक्षा परिषद रामनगर के परिसर में धरना स्थल पर वक्ताओं ने जोरदार नारेबाजी के साथ अपना आक्रोश व्यक्त किया। आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थानों में अधिकारियों-शिक्षकों कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भय के माहौल को दूर करने के लिए तत्काल इस विषय पर एसओपी जारी करने की माँग की गई। इस दौरान उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद के सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी, खण्ड शिक्षा अधिकारी रामनगर हवलदार प्रसाद,सुनील भण्डारी,नवेन्दु मठपाल,डा० नन्दन सिंह बिष्ट, दरपान सिंह रौतेला,सुशील रावत, सोनम शर्मा,नवीन चन्द्र घिल्डियाल,विजय मासीवाल आदि मौजूद रहें।

दरऊ प्रधानपति ने समर्थकों संग बेहड़ के खिलाफ किया प्रदर्शन

रुद्रपुर(संवाददाता)। ग्राम दरऊ के प्रधानपति गफ्फार खान ने अपने समर्थकों के साथ विधायक तिलकराज बेहड़ के खिलाफ प्रदर्शन कर उनका पुतला फूंका। आरोप लगाया कि बेहड़ स्वयं अपराधियों को संरक्षण देते हैं और राजनीतिक द्वेष के चलते उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने विधायक को दो दिन के भीतर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का अल्टीमेटम दिया। बीते दिनों यूपी पुलिस ने बहेड़ी में दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके पास से पिस्टल की खेप बरामद की थी। बरेली के एएसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि आरोपी ग्राम दरऊ के प्रधानपति गफ्फार खान और समीर को हथियार सप्लाई करने जा रहे थे। इसके बाद किच्छा की सियासत गर्मा गई। रविवार को विधायक तिलकराज बेहड़ ने प्रेस वार्ता कर गफ्फार खान पर क्षेत्र में गुंडागर्दी को बढ़ावा देने के गंभीर आरोप लगाए थे। इसके विरोध में मंगलवार को गफ्फार खान समर्थकों के साथ जुलूस की शक्ल में डीडी चौक पहुंचे और प्रदर्शन किया। गफ्फार ने कहा कि उन्होंने और उनके साथियों ने प्रधान व बीडीसी चुनाव बेहड़ समर्थित प्रत्याशियों को हराकर जीते हैं, जिससे पूर्वाग्रहवश उन पर आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने हथियार तस्करों से किसी भी प्रकार का संबंध होने से इनकार किया और इसे राजनीतिक षड्यंत्र बताया। प्रदर्शन के दौरान वाहिद पहलवान, साजिद खान, गुड्डू मलिक, जीशान मलिक और फजीलत मियां सहित कई समर्थक मौजूद रहे।भाजपा माहौल खराब करने का प्रयास कर रही : भूपेंद्रकिच्छा। गफ्फार खान के आरोपों पर पलटवार करते हुए अनुपम सिनेप्लेक्स स्थित नगर कांग्रेस कमेटी कार्यालय में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि मामला बहेड़ी में दर्ज है, इसलिए गफ्फार को वहीं जाकर प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले भाजपा क्षेत्र का माहौल खराब करने का प्रयास कर रही है। पूर्व पालिकाध्यक्ष दर्शन कोली ने कहा कि यूपी पुलिस के खुलासे के बाद ही विधायक ने बयान दिया था। कांग्रेसी नेता राजेश प्रताप ने कहा कि विधायक बेहड़ क्षेत्र की जनता के साथ मजबूती से खड़े हैं और पंचायत चुनाव में जनता इस पर मुहर लगा चुकी है। प्रेसवार्ता में एनयू खान, ओमप्रकाश दुआ, गुलशन सिंधी और फजील खान सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लखनपुर में पर्यावरण पर आधारित नाटक "द लॉस्ट वर्ल्ड" का मंचन

रामनगर (संवाददाता)। के लखनपुर में शान्तिकुंज कल्याण समिति द्वारा शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण पर आधारित नाटक "द लॉस्ट वर्ल्ड" का प्रभावशाली मंचन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पर्वतीय सभा परिसर में हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात ध्यानी बी एस डंगवाल स्कूल प्रबंधक डी एस रावत तथा समिति अध्यक्ष रोहित बिष्ट द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर की गई। संचालन पर्वतीय सभा के उपाध्यक्ष हेम चन्द्र पाण्डे ने किया। इस अवसर पर डी एस नेगी ने नाटक की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है और ऐसे कार्यक्रम समाज को जागरूक करने में अहम भूमिका निभाते हैं। नाटक का निर्देशन संजय रिखाड़ी ने किया जिसमें स्कूल के बच्चों ने शानदार अभिनय कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रस्तुति के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रभावी ढंग से दिया गया। कार्यक्रम के अंत में दर्शकों ने कलाकारों और आयोजन से जुड़े लोगों के साथ संवाद कर पर्यावरण से जुड़े विभिन्न सवालों के जवाब भी जाने। इस मौके पर समिति के सचिव धर्मपाल डंगवाल सहित चंद्रशेखर पंत, प्रदीप पाण्डे, रमेश बिष्ट, पूरन पाण्डे, नवीन तिवारी, आनन्द पाण्डे, अनूप बिष्ट, शंकर पाण्डे, नवेन्दु जोशी और संतोष पपनै समेत कई लोग मौजूद रहे।

तापसी पन्नू का ग्लैमर पर तीखा तंज, बोलीं- बॉलीवुड को क्लीवेज चाहिए और साउथ को नाभि

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने हाल ही में हिंदी और साउथ सिनेमा में महिलाओं के चित्रण पर अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा कि दोनों फिल्म इंडस्ट्री में ग्लैमर दिखाने का तरीका अलग-अलग है। तापसी के अनुसार, बॉलीवुड फिल्मों में अक्सर क्लीवेज पर अधिक ध्यान दिया जाता है, जबकि साउथ की फिल्मों में नाभि को दिखाने पर ज्यादा जोर रहता है। उनके इस बयान ने फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के प्रति नजरिए को लेकर एक चर्चा शुरू कर दी है। तापसी ने अब तक तेलुगू तमिल, हिंदी और मलयालम सिनेमा में लंबा सफर तय किया है। पिछले कुछ दिनों से वो अपनी नई फिल्म अस्सी को लेकर चर्चा में हैं। तापसी ने अपने दिल्ली के मध्यम-वर्गीय पालन-पोषण से लेकर फिल्मी सेट के अनुभवों तक कई मुद्दों पर खुलकर बात की। उन्होंने एक ऐसे विषय पर चर्चा की, जिसे अक्सर पर्दे के पीछे ही रखा जाता है। जब तापसी से पूछा गया कि भोजपुरी और दक्षिण भारतीय सिनेमा के गानों में नाभि पर इतना ध्यान क्यों दिया जाता है तो उन्होंने कहा, मैं खुद भी इसे समझने की कोशिश कर रही हूं। ऐसा नहीं है कि हिंदी सिनेमा के आइटम गानों में इस पर ध्यान नहीं दिया जाता, लेकिन साउथ सिनेमा जितना नहीं। हिंदी सिनेमा में फोकस क्लीवेज पर ज्यादा रहता है।

उन्होंने फिल्मी सेटों पर महिला कलाकारों के प्रति इंडस्ट्री के नजरिए पर खुलकर बात की। तापसी बोलीं, साउथ में अक्सर अभिनेत्रियों से पैडेड ब्रा पहनने के लिए कहा जाता है। सबसे बड़ी समस्या है कि निर्देशक सेट पर ये बात आखिर कहे किससे? उन्होंने बताया कि ये बात सीधे नहीं कही जाती, बल्कि एक चेन के जरिए पहुंचती है। निर्देशक से असिस्टेंट डायरेक्टर, फिर स्टाइलिंग टीम, फिर हेयर और वार्डरोब वाली महिलाओं के पास और अंत में हीरोइन तक।

आस्था की महागाथा लेकर आ रहे संजय लीला भंसाली, फिल्म जय सोमनाथ 2027 में होगी रिलीज, दिखाई पहली झलक

संजय लीला भंसाली ने ऑफिशियली अपने अगले बड़े वेंचर जय सोमनाथ की घोषणा की है, जो 2027 में दुनिया भर में थिएटर में रिलीज होगी। फिल्ममेकर ने इस प्रोजेक्ट के बारे में एक खास लाइन के साथ फिल्म को लेकर अपडेट दी, जिसमें लिखा था कि मंदिर तोड़ा जा सकता है, आस्था नहीं यह फिल्म एक इमोशनल हिस्टोरिकल ड्रामा की ओर इशारा करती है। भंसाली ने नए प्रोजेक्ट का टाइटल बताया और बताया कि जय सोमनाथ को केतन मेहता डायरेक्ट करेंगे, जो कल्चर से जुड़े सिनेमा को सपोर्ट करने के लिए जाने जाते हैं। टाइटल से पौराणिक और ऐतिहासिक बातें पता चलती हैं, जो भगवान शिव से जुड़ी हैं। भंसाली प्रोडक्शंस के सपोर्ट से और खुद भंसाली द्वारा प्रेजेंट की गई जय सोमनाथ को केतन मेहता डायरेक्ट करेंगे, जो दो फिल्ममेकर्स के बीच एक बड़ा कोलेबोरेशन है जो अपने स्केल और कहानी कहने की गहराई के लिए जाने जाते हैं। 2027 में रिलीज होने वाले इस प्रोजेक्ट को लेकर उम्मीदें अभी से बढ़ने लगी हैं। हालांकि, कास्ट और स्टोरीलाइन के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। इस अनाउंसमेंट ने सिनेमा लवर्स के बीच पहले ही एक्साइटमेंट पैदा कर दी है। हालांकि कहानी की डिटेल अभी तक नहीं बताई गई है, लेकिन टाइटल और टैगलाइन से साफ पता चलता है कि कहानी मजबूती, विश्वास और इतिहास पर आधारित है। सोमनाथ का जिक्र ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर की याद दिलाता है, जो सदियों से कई हमलों और पुनर्निर्माण का गवाह रहा है। अगर भंसाली की पिछली फिल्मों को देखें तो दर्शक इमोशन, ड्रामा और बड़ी कहानी कहने के अंदाज से भरी एक शानदार कहानी की उम्मीद कर सकते हैं। जय सोमनाथ 2027 में रिलीज होने वाली है। ऐसा लगता है कि टीम जल्दबाजी में कोई शानदार फिल्म बनाने के बजाय ध्यान से प्रोडक्शन प्लान कर रही है। भंसाली के बड़े सिनेमैटिक यूनिवर्स बनाने के ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, लंबे लीड टाइम का मतलब हो सकता है कि आने वाले महीनों में बड़े सेट, डिटेल्ड रिसर्च और दमदार कलाकारों की टीम की घोषणा हो सकती है।

टिकट टू हेला में दिखा यश का क्लीन-शेव अवतार, टॉक्सिक में दोहरी भूमिका निभाएंगे अभिनेता?

टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स के मेकर्स ने एक बार फिर इंटरनेट की दुनिया में धमाका कर दिया है। इस बार उन्होंने दर्शकों को चौंका दिया है उनका खुद का टिकट टू हेल! नए पोस्टर में रॉकिंग स्टार यश ऐसे अवतार में नजर आ रहे हैं, जिन्हें किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। यह क्लीन-शेव लुक फिल्म की खतरनाक और विस्फोटक दुनिया में और गहराई से उतरने का इशारा देता है। पोस्टर में टिकट नाम का किरदार सामने आया है, जिसे भी यश ही निभा रहे हैं। यानी फिल्म में उनका दूसरा लुक रिवील हो चुका है, और साफ संकेत मिल रहे हैं कि कहानी में दमदार डबल रोल का तड़का लगने वाला है। इससे पहले उनका दूसरा वाला राया लुक सामने आया था, जिसने सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया था। फैन आर्ट, रील्स और थ्योरी थ्रेड्स हर जगह बस उसी की चर्चा थी। अब अचानक आए इस क्लीन-शेव लुक ने फिर से वही सेंसेशन तेजी की तैयारी कर ली है। पहले रिलीज हुए टीजर में यश का ट्रांसफॉर्मेशन पहले ही सोशल मीडिया पर बवंडर खड़ा कर चुका है और फिल्म को लेकर दीवानगी अब ग्लोबल फीवर बन चुकी है। टीजर को जबरदस्त और विस्फोटक रिस्पॉन्स मिले हैं। यह भारत समेत 9 देशों में यूट्यूब पर ट्रेंड कर चुका है, जो फिल्म की अंतरराष्ट्रीय पकड़ को साबित करता है। लेकिन असली कमाल सिर्फ नंबर नहीं हैं, बल्कि वह चर्चा है जो इसे छेड़ दी है। 1 मिनट 56 सेकंड के टीजर को फैंस फ्रेम दर फ्रेम खंगाल रहे हैं। कोई टाइमलाइन पर बहस कर रहा है, कोई अलग-अलग दौर की कहानी का अंदाजा लगा रहा है, तो कोई दोनों किरदारों के टकराव की थ्योरी बना रहा है। दो मिनट से भी कम समय में टॉक्सिक ने दर्शकों को इतना मसाला दे दिया है कि चर्चा अब एक सिनेमाई आंदोलन बन चुकी है। तमिल बेल्ट में श्रीलंका, सिंगापुर और मलेशिया तक इसकी धूम है। हिंदी बेल्ट में ओमान, सऊदी अरब, कुवैत, बांग्लादेश और बहरीन में यह छाया हुआ है। भारत के कई राज्यों में भी टीजर ट्रेंड कर रहा है, जिससे साफ है कि टॉक्सिक सिर्फ पैन इंडिया नहीं, बल्कि वर्ल्डवाइड फेनोमेना बन चुका है।

तृप्ति डिमरी को इन फिल्मों ने दिलाई शोहरत, एक तो कमाई में 500 करोड़ के पार

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी अब किसी पहचान की मोहताज नहीं रही हैं। अपने करियर में उन्होंने सार्थक और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को निभाकर भारतीय सिनेमा में प्रभावशाली अदाकारा के रूप में खास पहचान बना ली है। रोमांटिक-ड्रामा और साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्मों के जरिए तृप्ति ने हमेशा अपने फैंस का दिल जीता। हालिया रिलीज शाहिद कपूर की ओ रोमियो में अभिनेत्री के अभिनय की तारीफ हो रही है। तृप्ति ने पहली बार 2018 में फिल्म लैला-मजनू से चर्चाएं बटोरी थीं। अविनाश तिवारी के साथ उनकी जोड़ी को न सिर्फ सराहा गया था, बल्कि उनके भावपूर्ण और गहन अभिनय की समीक्षकों ने खूब तारीफ भी की थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास साबित नहीं हुई, लेकिन बाद में इसे कल्ट फिल्म का दर्जा मिला था। नेटफ्लिक्स पर रिलीज बुलबुल साइकोलॉजिकल-थ्रिलर फिल्म है जिसमें तृप्ति के शानदार अभिनय की खूब सराहना हुई थी। उन्हें फिल्मफेयर ओटीटी पुरस्कार मिला था। बाबिल खान के साथ उनकी यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर आई एक क्लासिकल-म्यूजिक फिल्म थी। मां-बेटी के जटिल रिश्ते पर आधारित इस फिल्म में उनका चुनौतीपूर्ण किरदार काबिल-ए-तारीफ था। फिल्म के गाने भी बेहद लोकप्रिय हुए। हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइजी भूल भुलैया 3 का हिस्सा तृप्ति रहीं जिसमें उनके साथ कार्तिक आर्यन मुख्य किरदार में थे। फिल्म में अभिनेत्री ने दोहरी भूमिका निभाई थी। जहां वर्तमान में वह राजकुमारी मीरा के किरदार में दिखीं, तो वहीं अतीत में वह राजकुमारी मधुलिका थीं। रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म एनिमल में तृप्ति ने छोटी, लेकिन प्रभावशाली भूमिका निभाई थी। सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद, उनकी उपस्थिति ने खूब चर्चा बटोरी थी। उनका किरदार सिनेमा में उनकी प्रतिष्ठा और फैंस की तादात को बढ़ाने में कारगर साबित रहा था। 2023 में रिलीज यह उस साल की सबसे ज्यादा कमाऊ फिल्म बन गई जिसने भारत में 500 करोड़ से ज्यादा कारोबार किया। तृप्ति को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के लिए फिल्मफेयर नामांकन भी मिला था।

पलायन रोकथाम व सीमांत क्षेत्रों में रोजगार योजनाओं को तेजी से लागू करने के निर्देश

देहरादून(संवाददाता)। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना तथा मुख्यमंत्री सीमांत क्षेत्र विकास कार्यक्रम की अनुवीक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि पलायन रोकथाम और सीमांत क्षेत्रों में रोजगार व आजीविका से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर गैप न रहे। जनपदों से आने वाले प्रस्तावों के अनुमोदन की प्रक्रिया को तेज रखते हुए निर्धारित टाइमलाइन में कार्य पूर्ण किए जाएं। पुराने क्रियान्वयनों की समीक्षा करते हुए योजनाओं से धरातली आउटकम सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।टारगेटेड अप्रोच व संसाधन-आधारित इंटरवेंशन पर बल : मुख्य सचिव ने योजनाओं के क्रियान्वयन में टारगेटेड अप्रोच और प्रभावी इंटरवेंशन अपनाने के निर्देश दिए ताकि अपेक्षित परिणाम प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में डच्ल्ल और डठ।क्न संचालित हैं, वे स्वरोजगार व आजीविका के मामलों में अन्य सीमांत गांवों के लिए प्रेरणादायी मॉडल बनें। साथ ही सीमांत गांवों में उपलब्ध संसाधनों और कमी (गैप) का वैज्ञानिक अध्ययन कर उसी अनुरूप योजनाओं का इम्प्लीमेंटेशन किया जाए।

वार्षिक कार्ययोजना 2025-26: प्रगति तेज करने के निर्देश: बैठक में पलायन आयोग के उपाध्यक्ष एस.एस. नेगी ने बताया कि योजनाओं का प्रभाव गांवों में आवासीय परिवारों, बेरोजगार युवाओं एवं रिवर्स माइग्रेंट्स को स्वरोजगार उपलब्ध कराने हेतु संचालित है। डठ।क्न के माध्यम से पांच सीमांत

दिख रहा है, किंतु और बेहतर क्रियान्वयन की आवश्यकता है।के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 12 जनपदों में 90 योजनाएं प्रस्तावित हैं।के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 5 सीमांत जनपदों के चिन्हित विकासखंडों में 155 योजनाएं प्रस्तावित हैं।मुख्य सचिव ने दोनों योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए। संदर्भित है कि उत्तराखंड के 50% तक पलायन-प्रभावित 474 जनपदों के सीमांत विकासखंडों में सतत आजीविका व स्वरोजगार के संसाधन उपलब्ध कराकर पलायन रोकने और रिवर्स माइग्रेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है।बैठक में सचिव सचिन कुर्वे व डी.एस. गब्र्याल, विशेष सचिव निवेदिता कुकरेती, अपर सचिव अनुराधा पाल, झरना कमठान, हॉफ वन विभाग रंजन कुमार मिश्र सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मसूरी विधानसभा में बढ़ते मतदाताओं पर उठे सवाल, जांच की मांग

देहरादून(संवाददाता)। मसूरी विधानसभा क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से लगातार बढ़ती मतदाता संख्या को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा महानगर देहरादून के महानगर अध्यक्ष रामकुमार शंखधर ने क्षेत्र में एक माह तक किए गए भ्रमण के आधार पर मतदाता सूची में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। रामकुमार शंखधर का कहना है कि पिछले 15 से 20 वर्षों में मतदाताओं की संख्या में असामान्य वृद्धि हुई है, जो चुनावी लाभ के उद्देश्य से की गई सुनियोजित साजिश प्रतीत होती है। उन्होंने इस स्थिति के लिए प्रशासनिक मिलीभगत और जिला निर्वाचन तंत्र की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बताया कि प्री-एसआईआर (विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण) के बाद भी मतदाता सूची में खामियां बनी हुई हैं। कई स्थानों पर मृत व्यक्तियों के नाम अभी भी दर्ज हैं, वहीं विवाह के बाद अन्य स्थानों पर बस चुकी महिलाओं के नाम भी पुराने पते पर बने हुए हैं। इसके अलावा फर्जी मतदाताओं की मौजूदगी को लेकर भी उन्होंने गंभीर चिंता जताई।

संक्षिप्त समाचार...

एशियन क्रॉस कंट्री में हरिद्वार की सोनिया का शानदार प्रदर्शन

देहरादून(संवाददाता)। 21 फरवरी को जापान के फुकुओका में आयोजित 18 वीं एशियन क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में भारतीय महिला टीम ने 10 किलोमीटर क्रॉस कंट्री स्पर्धा में 35 अंकों के साथ कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि में उत्तराखंड की बेटी सोनिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्पोर्ट्स एक्सीलेंस उत्तराखंड की एथलीट सोनिया ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ओवरऑल पांचवां स्थान हासिल किया। खास बात यह रही कि वह भारतीय महिला धावकों में पहले स्थान पर रहीं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह उनका पहला बड़ा पदक है, जिससे उनके खेल करियर की सशक्त शुरुआत मानी जा रही है। हरिद्वार निवासी सोनिया वर्तमान में महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में वरिष्ठ प्रशिक्षक लोकेश कुमार के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उत्तराखंड एथलेटिक्स संघ के सचिव केजेएस कलसी ने सोनिया और उनके प्रशिक्षक को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

लखनऊ में उत्तराखंड के पहलवानों ने तीन गोल्ड समेत झटके पांच पदक

देहरादून(संवाददाता)। लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में हुई पहली राष्ट्रीय शुहाई जियाओ प्रतियोगिता में उत्तराखंड के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और दो रजत पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में देश के 15 राज्यों से करीब 250 खिलाड़ियों ने सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग में प्रतिभाग किया। उत्तराखंड की ओर से सब-जूनियर बालिका वर्ग में सुहानी भट्ट (-36 किग्रा) और परी चौहान (-42 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते। जूनियर वर्ग में उमंग रागड (-56 किग्रा) ने गोल्ड मेडल हासिल कर प्रदेश का मान बढ़ाया। वहीं सब-जूनियर बालक वर्ग में अश्विन रतूड़ी (-36 किग्रा) और शिवांश चौधरी (-40 किग्रा) ने रजत पदक अपने नाम किए।

नेशनल रेस वॉक में उत्तराखंड का दमदार प्रदर्शन, एक स्वर्ण समेत पांच पदक

देहरादून(संवाददाता)। 21 व 22 फरवरी को चंडीगढ़ में आयोजित 13 वीं इंडियन ओपन रेस वॉकिंग प्रतियोगिता में उत्तराखंड के एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण पदक सहित कुल पांच पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। टीम के कोच ओलंपियन मनीष रावत ने बताया कि खिलाड़ियों ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच बेहतरीन टाइमिंग के साथ पदक हासिल किए। महिला फुल मैराथन रेस वॉक स्पर्धा में पायल ने 3 घंटा 39 मिनट 57 सेकंड का समय निकालते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। हाफ मैराथन रेस वॉक में मानसी नेगी ने 1 घंटा 42 मिनट 58 सेकंड का समय दर्ज कर कांस्य पदक हासिल किया।

कुम्भ मेला के स्थायी कार्यों को 31 अक्टूबर तक पूर्ण करने के निर्देश, अपर मेलाधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण

हरिद्वार(संवाददाता)। आगामी कुम्भ मेला-2027 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए मेला प्रशासन द्वारा स्वीकृत स्थायी विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, सुगमता तथा स्वास्थ्य सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत विभिन्न परियोजनाओं के लिए स्पष्ट टाइमलाइन निर्धारित की गई है। मेला प्रशासन ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया है कि वे स्वीकृत कार्यों को आगामी 31 अक्टूबर, 2026 तक हर हाल में पूर्ण करें। मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका के निर्देशन में निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा की जा रही है। गुणवत्ता नियंत्रण के लिए नामित अधिकारी लगातार कार्यस्थलों का निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि निर्माण कार्यों की प्रगति गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जा सके। मेला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब को गंभीरता से लिया जाएगा। इसी सिलसिले में मंगलवार को अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ कुम्भ मेला-2027 के अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों का स्थलीय

निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अभियंताओं को निर्देशित किया कि निर्धारित समयसीमा के अनुरूप कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने निर्माण सामग्री की नियमित जांच कराने तथा सभी तकनीकी एवं गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक कार्य की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से मेला कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा। अपर मेलाधिकारी ने धनौरी-सिडकुल लिंक मार्ग पर पथरी रौ नदी-पुरानी गंग नहर पर स्वीकृत पुल के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने नींव निर्माण एवं पाइलिंग की तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए और सभी तकनीकी मानकों का पालन करते हुए कार्य समय से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सेतु कुम्भ मेला अवधि में यातायात को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कुम्भ मेला की तैयारियों के अंतर्गत बहादराबाद विकासखण्ड में धनौरी-सिडकुल मोटर मार्ग के हॉटमिक्स द्वारा डामरीकरण एवं सुधार कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। लगभग 8.4 किलोमीटर लंबाई तक इस मार्ग के सुदृढ़ीकरण कार्य का निरीक्षण करते हुए अपर मेलाधिकारी ने निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त हिस्सों को प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जाए तथा समुचित ड्रेनेज व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि डामरीकरण के बाद सड़क को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे। इसके अतिरिक्त अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने अधिकारियों की टीम के साथ रोशनाबाद, हरिद्वार में निर्माणाधीन औषधि भंडारण कक्ष का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि निर्माण सामग्री की नियमित सैंपलिंग कराई जाए तथा समय-समय पर थर्ड पार्टी गुणवत्ता परीक्षण भी सुनिश्चित किया जाए। कुम्भ मेला की व्यवस्थाओं के अंतर्गत निर्मित किए जा रहे इस वेयरहाउस में औषधियों के सुरक्षित भंडारण के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। साथ ही नियंत्रित तापमान पर दवाओं के संरक्षण हेतु समुचित कोल्ड चेन व्यवस्था भी स्थापित की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। सम्पादक - राजेश पंत
फोन नं0- 05946-254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़ने के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com